आनंदक सम्मेलन में जमकर लगे ठहाके

कलेक्टोरेट में आयोजित कार्यक्रम में अधिकारियों-कर्मचारियों से लेकर आम लोगों ने उड़ाए गुब्बारे

नगर प्रतिनिधि

इंदौर, 29 जून

मप्र शासन के अध्यात्म विभाग के अंतर्गत संचालित राज्य आनंद संस्थान द्वारा कल आनंदक सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें अधिकारियों -कर्मचारियों से लेकर आम लोगों तक ने गुब्बारे उड़ाने के साथ ही जमकर ठहाके भी लगाए। कलेक्टोरेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अपर कलेक्टर नेहा मीना की अगुवाई में जिला समन्वयक विजय मेवाड़ एवं अरविंद शर्मा सहित निस्वार्थभाव से कार्य करने वाले आनंदकों ने गुब्बारे फोड़ने के साथ ही लोगों को घंटों तक हंसाया। जिला समन्वयक विजय मेवाड़ ने बताया कि पहली बार आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य अधिकारी-कर्मचारियों में नई चेतना का संचार करना है। गौरतलब है कि इंदौर जिले में लगभग 1600 आनंदक संस्थाएं हैं, जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से कार्य करने के लिए 2016 में पंजीयन कराया है। इंदौर के अलावा ग्रामीण क्षेत्र देपालपुर में भी कल कार्यक्रम आयोजित किया गया।

Scanned by CamScanner

आनंदक सम्मेलन में गुब्बारे उड़ाए और ठहाके लगाए

इंदौर। राज्य आनंद संस्थान द्वारा शुक्रवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आनंदक सम्मेलन मनाया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने योग किया और ठहाके लगाकर आनंदित महसूस किया। गुब्बारे भी उड़ाए गए। जिला पंचायत सीईओ नेहा मीणा ने कहा कि व्यक्ति गीत, संगीत, योग, व्यायाम और सकारात्मक दृष्टिकोण से आनंद की अनुभूति कर सकता है। आनंद विभाग के विजय मेवाड़ा और अरविंद शर्मा ने बताया कि इंदौर जिले में 23 आनंद क्लब हैं। सुनयना शर्मा ने संचालन किया।

Scanned by CamScanner

आनंदक सम्मेलन का समापन कलेक्टरेट इंदौर में

मध्यप्रदेश के अध्यात्म विभाग के अंतर्गत राज्य आनंद संस्थान प्रदेश में नागरिकों को आनंद की अनुभूति तथा अपने आंतरिक व बाह्य आनंद को समझने के लिए अनेक कार्यक्रम जैसे अल्प विराम, आनंद उत्सव, आनंद सभा, नेकी की दीवार (आनंदम) एवं आनंद क्लब आदि संचालित कर रहा है। जो कि देशभर में अपनी तरह की एक अनूठी पहल है। ऐसी तारतम्य में इंदौर जिला स्तरीय आनंदक सम्मेलन कलेक्टरेट सभाग्रह मुख्यकार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवम नोडल अधिकारी अध्यात्म विभाग श्रीमती नेहा मीना की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

राज्य आनंद संस्थान ने स्वैच्छिक आधार पर बगैर किसी लाभ की प्रत्यादशा में कार्य करने वाले व्यक्तियों को आनंदक के रूप में पंजीकृत किया है। जिला स्तरीय आनंदक सम्मेलन में कलेक्टरेट सभागार ठहाकों और

गीतों से गुंजीत हुआ आनंद इतना था कि आनंदक खुशी का इज़हार करने से खुद को रोक न सके।नोडल अधिकारी श्रीमती नेहा मीना ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा दूसरों की,मदद करने में वास्तव में आनंद की अनुभूति होती है,हमारा सामाजिक दायित्व है हमें कुछ समय समाज सेवा में भी देना चाहिए।राज्य आनंद संस्थान लोगों को सही दिशा और आनंद की अनुभूति करने का कार्य कर रहा है ऐसे में हम सभी का यह दायित्व है कि हम आनंद और खुशी का एहसास सभी को कराएं ।अरविंद शर्मा द्वारा राज्य आनंद संस्थान का परिचय दिया गया ।आनंदम सहयोगी विजय मेवाड़ा द्वारा राज्य आनंद संस्थान द्वारा इंदौर जिले में कई गई गतिविधियों को विस्तारपूर्वक स्पष्ट किया। -हमने 10 समूह बनाकर जब समूह चर्चा में उनके कार्यो के साथ साथ दो संकल्प निर्धारण का लक्ष्य दिया तो अन्य सामाजिक मुद्दो के साथ साथ एक समूह ने यह भी संकल्प लिये कि 1-अब उसके सदस्य जब भी किसी से मिलेंगे चेहरे पर मुस्कुराहट होगी, 2-गुस्सा आने पर वे शांत रहेंगे और मन शांत होने पर ही बात करेंगे।कार्यक्रम में प्रदेश स्तर पर राज्य आनंद संस्थान द्वारा आयोजित वीडियो प्रतियोगिता में द्वितीय पुरुस्कार विजेता मोहर सिंह कुशवाह को 15000 रु का पुरस्कार दिया गया साथ ही श्रेष्ठ कार्य करने वाले आनंदकों को एसडीएम प्रतुल सिन्हा जी एवम अतिरिक्त मुख्यकार्यपालन अधिकारी श्रीमती मधुलिका शुक्ला द्वारा सम्मानित करते हुए सभी सहभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप प्रमाणपत्र दिए।आनंदकों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इस आयोजन को समाज हित मे एक सार्थक प्रयास बताया।

Scanned by CamScanner

संझा लोकस्वामी

Tuesday, 02 Jul 2019

आनंदक सम्मेलन में जमकर लगे ठहाके

कलेक्टोरेट में आयोजित कार्यक्रम में अधिकारियों-कर्मचारियों से लेकर आम लोगों ने उड़ाए गुब्बारे

नगर प्रतिनिधि

इंदौर, 29 जून

मप्र शासन के अध्यात्म विभाग के अंतर्गत संचालित राज्य आनंद संस्थान द्वारा कल आनंदक सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें अधिकारियों -कर्मचारियों से लेकर आम लोगों तक ने गुब्बारे उड़ाने के साथ ही जमकर ठहाके भी लगाए। कलेक्टोरेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अपर कलेक्टर नेहा मीना की अगुवाई में जिला समन्वयक विजय मेवाड़ एवं अरविंद शर्मा सहित निस्वार्थभाव से कार्य करने वाले आनंदकों ने गुब्बारे फोड़ने के साथ ही लोगों को घंटों तक हंसाया। जिला समन्वयक विजय मेवाड़ ने बताया कि पहली बार आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य अधिकारी-कर्मचारियों में नई चेतना का संचार करना है। गौरतलब है कि इंदौर जिले में लगभग 1600 आनंदक संस्थाएं हैं, जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से कार्य करने के लिए 2016 में पंजीयन कराया है। इंदौर के अलावा ग्रामीण क्षेत्र देपालपुर में भी कल कार्यक्रम आयोजित किया गया।

Scanned by CamScanner

ाओं को 10वीं एवं आईटीआई में प्रवेश लेने पर मिलेगा लेपटॉप तथा मोटरसाईज्ड ट्रायसकिल || जिला गौशाला परियोजना समन्वय समिति की बैठक आयोजित || विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में खेल निधि का प्रत्येक माह होगा आंव

अन्य ख़बरें

- स्वास्थ्य मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने इदौर में की समीक्षा
- इंदौर शहर के एलआईजी चौराहे से नवलखा चौराहे पर एलीवेटेड कॉरिडोर का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा -लोक निर्माण मंत्री श्री सज्जन सिंह वर्मा
- स्वास्थ्य मंत्री द्वारा सांवेर सिटी बस का शुभारंभ
- संविदाकर्मियों की मांगों और अभ्यावेदनों का परीक्षण करेगी तीन सदस्यीय समिति
- इंदौर में खुलेगी स्किल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी - जीतू पटवारी
- पुलिस का समाज के प्रति सम्मान का भाव हो – मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ
- युवाओं, महिलाओं का विकास ही राज्य सरकार की प्राथमिकता है – मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ
- अलर्ट : "चमकी बुखार" सावधानी ही दूसरा उपचार है
- सांवेर विधानसभा के गांवों में भी पहुँचेगा नर्मदा जल
- बच्चे प्रदेश का भविष्य है, इन्हे शिक्षित करना पहली जिम्मेदारी है-मुख्यमंत्री
- जिले के 22 हजार किसानों के 2 लाख रूपये तक के कर्ज माफ - प्रभारी मंत्री श्री बच्चन
- स्वरोजगार योजनाओं अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ
- अजा/जजा अत्याचार प्रकरणों में राहत राशि तत्काल देने के निर्देश
- लालबाग परिसर का होगा कायाकल्प
- सभी प्रमुख शहरों से भोपाल की एयर कनेक्टिविटी बढ़ाये : मुख्य सचिव श्री मोहंती

योगा, व्यायाम, परोपकार, सकारात्मक दृष्टिकोण से होती है आनंद की प्राप्ति

इन्दौर | 28-जून-2019

आज समाज में ईर्ष्या, द्वेष,विवाद, लड़ाई, झगड़ा, वैमनस्य, हत्या, आत्महत्या का दौर चल रहा है। ऐसे स्थिति में राज्य शासन ने अध्यात्म विभाग के जरिए आम आदमी को सकारात्मक सोच की ओर प्रेरित करने के लिए राज्य आनंद संस्थान का गठन किया है। राज्य आनंद संस्थान द्वारा आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय आनंदक सम्मेलन आयोजित किया गया है।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए अपर कलेक्टर (विकास) श्रीमती नेहा मीना ने कहा कि कोई भी व्यक्ति गीत, संगीत, योगा, व्यायाम और सकारात्मक दृष्टिकोण और परोपकार से अपने अंदर आनंद की अनुभूति कर सकता है। हमें अपने मन की शांति के लिए योग और ध्यान करना चाहिए। सभी धर्मों में परोपकार को सर्वोत्तम कार्य माना गया है। हमें गरीबों, बुजुर्गों, दिव्यांगों और निराश्रितों की मदद करना चाहिए। भौतिकतावाद के इस युग में मनुष्य की जीवनशैली में बहुत बदलाव आया है, जिसके कारण मनुष्य तनाव और दबाव में जी रहा है और कभी- कभी वे तनाव और दबाव को झेल नहीं पाता। गीत, संगीत, व्यायाम, योग और ध्यान के जरिए मनुष्य तनाव को कम कर सकता है। उन्होने कहा कि दूसरों की मदद करने से अत्यधिक सुकून मिलता है।

कार्यक्रम में आनंद विभाग के श्री विजय मेवाड़ा और अरविंद शर्मा द्वारा बताया गया है कि इंदौर जिले में 23 आनंद क्लब है। हम लोग आनंद मेला, आनंद उत्सव और आनंद सभा का आयोजन करते रहते हैं। एमवाय अस्पताल और रानी सती गेट पर "नेकी की दीवार" का संचालन किया जा रहा है। जहाँ पर गरीबों और जरूरतमंद लोगों को नि:शुल्क घरेलू आवश्यक सामग्री वितरित की जाती है। कोई भी व्यक्ति राज्य आनंद संस्थान की वेबसाइट www.anandsansthanmp.in पर मानद आनंदक बनने के लिए ऑनलाइन पंजीयन करा सकता है। वर्तमान में राज्य आनंद संस्थान में लगभग 1600 आनंदक स्वैच्छिक रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। राज्य आनंद संस्थान ने गत दिवस सांवेर, महू और देपालपुर में आनंद उत्सव के तहत खेलकूद का आयोजन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रोता मौजूद थे। लोगों ने निर्धारित प्रपत्र भरकर अपना "आनंदक" कार्यकर्ता बनने के लिए पंजीयन कराया। कार्यक्रम का संचालन व्याखाता श्रीमती सुनयना शर्मा ने किया।

Scanned by CamScanner